

ए चट्ठी ह पौलुस के दुवारा फलिप्पी के कलीसिया ला लिखे गे हवय। यूरोप म पौलुस के दुवारा स्थापित एह पहिली कलीसिया रहिसि। पौलुस ह जब जेल म रहिसि, तब ओह ए चट्ठी ला लिखे रहिसि। कुछ मसीही कार्यकरतामन पौलुस के बरिध करत रहिन अऊ फलिप्पी के कलीसिया म कुछ गलत सकिछा दयि जावत रहिसि, तेकर खातरि पौलुस ह दुःखी रहिसि। तभो ले ए चट्ठी ह आनंद अऊ नसिचयता के बखान करथे। ए चट्ठी ला लिखे के एक कारन फलिप्पी के मसीहीमन ला धनबाद देवई रहिसि। जरूरत के बेरा म ओमन पौलुस करा जऊन दान पठोय रहिन, ओकर बर ओह ओमन ला धनबाद देय चाहथे। ओह ओमन ले बनिती करथे कि ओमन मसीह के नम्र सुभाव ला धारन करय अऊ सुवारथीपन अऊ घमंडी सुभाव ला छोड़ देवय। ओह ओमन ला सुरता कराथे कि ओमन के जनिगी ह मसीह म परमेसर के अनुग्रह के दान ए, जऊन ला ओमन यहूदी रीत-रिवाज ला माने के दुवारा नई, पर मसीह म बसिवास के दुवारा पाय हवय। पौलुस ह आनंद अऊ सांती के बारे म लिखथे, जेला परमेसर ह ओ मनखेमन ला देथे, जऊन मन मसीह के संग एकता के जनिगी जीथें। ए चट्ठी म, पौलुस ह खास करके मसीही बसिवास, जनिगी म आनंद, एकता, धीरज के बारे म लिखथे। ए चट्ठी ह फलिप्पी के कलीसिया बर, पौलुस के मया ला देखाथे। ए चट्ठी ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा सकथे।

भूमिका 1:1-11

पौलुस के नजी हालत 1:12-26

मसीह म जनिगी 1:27-2:18

तीमुथयुस अऊ इपफुरदीतुस खातरि योजना 2:19-30

बईरी अऊ खतरा के बरिध म चेतउनी 3:1-4:9

पौलुस अऊ ओकर फलिप्पी के संगवारीमन 4:10-20
सार बात 4:21-23

1 मसीह यीसू म फलिप्पी सहर के जम्मो संत, कलीसिया के अगुवा अऊ डीकन मन ला, मसीह यीसू के सेवक पौलुस अऊ तीमुथयुस कोर्ता ले ए चट्ठी मलिय। में पौलुस ह ए चट्ठी ला लिखत हवंव।

2हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह ले तुमन ला अनुग्रह अऊ सांती मलिय।

धनबाद अऊ पराथना

3जब भी मेंह तुमन ला सुरता करथंव, मेंह अपन परमेसर ला धनबाद देथंव। 4मेंह हमेसा अपन जम्मो पराथना म तुमन जम्मो इन बर आनंद के संग पराथना करथंव। 5काबरका सुरू से लेके अब तक तुमन सुघर संदेस के परचार म सहभागी रहे हवव। 6अऊ मोला ए बात के भरोसा हवय कि जऊन ह तुमन म ए बने काम सुरू करे हवय, ओह एला मसीह यीसू के आय के दिन तक पूरा करही।

7एह मोर बर उचित ए कि मेंह तुमन जम्मो इन के बारे म ए कसिम ले सोचंव, काबरका तुमन मोर हरिदय म बसे हवव; अऊ चाहे मेंह जेल म रहंव या सुघर संदेस के बचाव अऊ सुघर संदेस ला मजबूत करे म रहंव, तुमन जम्मो इन मोर संग परमेसर के अनुग्रह म भागीदार हवव। 8परमेसर ह मोर गवाह ए कि कइसने मेंह मसीह यीसू के मया के संग, तुमन जम्मो इन ला चाहथंव।

9अऊ मोर ए पराथना अय कि तुम्हर मया ह गयान अऊ समझ के संग अऊ बढ़त जावय, 10ताकि तुमन समझ सकव कि का ह सबले बने ए अऊ तुमन मसीह के आय के दिन तक सुध अऊ नरिदोस बने रहव, 11अऊ धरमीपन के ओ फर ले भर जावव, जऊन ह यीसू मसीह के जरयि आथे, अऊ ए कसिम ले परमेसर के महिमा अऊ परसंसा होवय।

पौलुस के जेल म रहई ह सुघर संदेस के फइलाव म सहायक होथे

12हे भाईमन हो, मेंह चाहथंव कि तुमन

जानव कि जऊन कुछू मोर ऊपर बति हवय, ओह सही म सुघर संदेस के बढ़ती म मददगार होईस। 13 एकर नतीजा ए होईस किमहल के जम्मो सपिाही अऊ आने जम्मो झन म ए बात ह साफ हो गे हवय कि मेंह मसीह खातरि जेल म हवंव। 14 मोर जेल म रहे के कारन, बहुते भाईमन के परभू ऊपर बसिवास ह बढ़ गे हवय अऊ ओमन परमेसर के बचन ला अऊ साहस अऊ नडिर होके सुनावत हवंव।

15 एह सच ए कि कुछू झन जलन अऊ झगरा के कारन मसीह के परचार करथें, पर आने मन भले मनसा ले परचार करथें। 16 ए मनखेमन मया म अइसने करथें, काबरकि एमन जानथें कि सुघर संदेस के बचाव खातरि मेंह जेल म रखे गे हवंव। 17 पहिली के मनखेमन ईमानदारी से नई, पर सुवारथी भावना ले मसीह के परचार करथें। ओमन सोचथें कि जब मेंह जेल म हवंव, त मोर बर ओमन समस्या खड़े कर सकथें। 18 पर कोनो बात नई! बने बात ए अय कि हर किसिम ले, चाहे गलत मनसा ले या सही मनसा ले, मसीह के परचार होवथे। अऊ एकरे कारन मेंह आनंदति हवंव।

अऊ मेंह हमेसा आनंदति रहहिं। 19 काबरकि मेंह जानत हंव कि तुम्हर पराथना के जरथि अऊ यीसू मसीह के आतमा के मदद के दुवारा, मेंह छूट जाहूं। 20 मोर दली ईछा अऊ आसा हवय कि मेंह बलिकुल झन लजावंव, पर मोर करा पूरा हमिमत रहय, ताकि मोर देहें म हमेसा मसीह के बड़ई होवत रहय, चाहे मेंह जीयत रहंव या मर जावंव। 21 काबरकि मोर बर जीयत रहई मसीह अय अऊ मर जवई फायदा के बात अय। 22 यदि मेंह सरीर म होके जीयत रहथिंव, त एकर मतलब मोर महिनत ह फर लानही, तभी ले मेंह नई जानत हंव कि मेंह कते ला चुनंव? 23 मेंह दूनों के माझा म अधर म लटके हवंव। मोर जी ह तो चाहथे कि मेंह जावंव अऊ मसीह के संग रहंव, जऊन ह बहुत बने बात अय, 24 पर एह

तुम्हर बर जादा जरूरी अय कि मेंह जीयत रहंव। 25 मोला एकर भरोसा हवय कि मेंह बने रहहिं, अऊ मेंह तुमन जम्मो झन संग बसिवास म तुम्हर बढ़ती अऊ आनंद खातरि जीयत रहहिं। 26 ताकि तुम्हर संग मोर फेर रहे के दुवारा, मसीह यीसू म तुम्हर आनंद ह मोर कारन अऊ बढ़ जावय।

27 कुछू भी होवय, तुम्हर चाल-चलन ह मसीह के सुघर संदेस के लइक रहय। तब चाहे, मेंह आके तुमन ला देखंव, चाहे झन आवंव, पर मेंह तुम्हर बारे म सरिपि ए सुनंव कि तुमन एके आतमा म अटल खड़े हवव अऊ एक मन होके, सुघर संदेस के बसिवास खातरि बहुत महिनत करत हवव। 28 अऊ तुमन कोनो भी किसिम ले, ओमन ले झन डर्रावव, जऊन मन तुम्हर बरिध करथें। एह ओमन बर एक चनिहां ए कि ओमन नास हो जाहीं अऊ तुमन उद्धार पाहू। अऊ एह परमेसर के दुवारा होही। 29 काबरकि मसीह कोर्तिले, तुमन ला ए मऊका देय गे हवय कि न सरिपि तुमन ओकर ऊपर बसिवास करव, पर ओकर बर दुःख घलो उठावव। 30 तुमन घलो ओहीच लड़ई लड़त हवव, जऊन ला तुमन पहिली मोला लड़त देख चुके हवव, अऊ जइसने कि तुमन सुनत हवव, मेंह अभी घलो लड़त हवंव।

मसीह के दीनता के नकल करई

2 कहूं मसीह म तुम्हर करा कोनो उत्साह हवय, कहूं ओकर मया म तुमन ला कोनो सांता मिलि हवय, कहूं पबतिर आतमा के संग तुम्हर कोनो संगर्ता हवय, कहूं तुमन म कोनो दया अऊ सहानुभूति हवय, 2 त तुमन ए बातमन ला करे के दुवारा मोर आनंद ला पूरा करव: कि तुमन एके मन के रहव, तुमन म एके मया रहय अऊ तुमन आतमा म एक होके एके उदेस्य बर जीयव। 3 सुवारथीपन या बेकार के घमंड म पड़के कुछू झन करव, पर नमरता से आने मन ला अपन-आप ले उत्तम समझव। 4 तुमन ले हर एक झन सरिपि अपन हति के ही नई, पर आने मन के हति के घलो खियाल रखय।

5जइसने मसीह यीसू के सुभाव रहिसि,
वइसने तुम्हर सुभाव घलो होवय।

6मसीह करा परमेसर के जम्मो सुभाव
रहिसि,
फेर ओह अपन-आप ला परमेसर
के बरोबर रखे के काबलि नइं
समझसि,

7पर, ओह जम्मो चीज ला तयिग दीस,
अऊ सेवक के जम्मो सुभाव ला लीस
अऊ मनखे के रूप धरके जनमसि।

8अऊ ओह मनखे के रूप म परगट होके
अपन-आप ला दीन-हीन करसि,
अऊ इहां तक हुकूम मानसि कि मरितू,
हां ओह कुरस के मरितू ला घलो सह
लीस।

9एकरसेति, परमेसर ह ओला अतिमिहान
करसि,
अऊ ओला ओ नांव दीस, जऊन ह
जम्मो नांव ले उत्तम ए।

10ताका स्वरग अऊ धरती अऊ धरती के
खाल्हे म,
हर एक इन यीसू के नांव म माड़ी
टेकय,

11अऊ परमेसर ददा के महिमा खातरि,
हर एक इन ए मान लेवय कि यीसू
मसीह ह परभू ए।

तारा के सही चमकव

12एकरसेति, मोर मयारू संगवारीमन हो,
जइसने तुमन हमेसा हुकूम मानत आय हवव,
जब मेंह तुम्हर संग रहेंव, पर अब, जब मेंह
तुम्हर ले दूरिहा हवव, त तुमन डरत अऊ
कांपत, अऊ जादा अपन उद्धार के काम म
लगे रहव। 13काबरका एह परमेसर ही अय,
जऊन ह तुमन म काम करथे कि तुमन ओकर
सही उदेस्य के मुताबकि ईछा करव अऊ
काम करव।

14बगिर कुड़कुड़ाय या बगिर बहस
करे, जम्मो काम ला करव, 15ताकि तुमन
नरिदोस, अऊ सही मनखे बनव अऊ बेईमान
अऊ भ्रूस्ट मनखेमन के ए संसार म परमेसर
के नरिदोस संतान बने रहव। ओमन के बीच

म, जनिगी के बचन ला पालन करत, तुमन
संसार म तारा के सही चमकव। 16ताकि
मसीह के दिन म, मेंह घमंड कर सकव कि
मोर दऊड़ या मोर महिनत ह बेकार नइं गीस।
17पर कहूं बलदिन म, मोर खून ह एक भेंट
के रूप म बहाय जाथे अऊ तुम्हर बसिवास
ले परमेसर के सेवा होथे, त मेंह खुस हवव
अऊ तुमन जम्मो इन के संग आनंद मनाथव।
18वइसने तुमन घलो खुस होवव अऊ मोर
संग आनंद मनावव।

तीमुथयुस अऊ इपफुरदीतुस

19परभू यीसू म मोला आसा हवय कि मेंह
तीमुथयुस ला तुम्हर करा जल्दी पठोहूं,
ताकि जब मोला तुम्हर खबर मलिय, त मेंह
घलो आनंदति होवव। 20मोर करा ओकर
सही अऊ कोनो नइं ए, जऊन ह सही म
तुम्हर मामला म रूचिरखय। 21काबरका हर
एक इन अपन खुद के खियाल रखथे, यीसू
मसीह के बारे म नइं। 22पर तुमन जानथव
कि तीमुथयुस ह ए साबति कर चुके हवय
अऊ जइसने एक बेटा ह अपन ददा संग सेवा
करथे, वइसने ओह मोर संग सुघर संदेस के
काम म सेवा करे हवय। 23एकरसेति, जतेक
जल्दी मोला ए मालूम होही कि मोर संग का
होवइया हवय, मेंह ओला तुम्हर करा पठोय
के आसा करथव। 24अऊ मोला परभू म
भरोसा हवय कि मेंह घलो जल्दी आहूं।

25पर में सोचथव कि इपफुरदीतुस ला
तुम्हर करा वापसि पठोना जरूरी ए; ओह
मोर भाई, सहकरमी अऊ संगी योद्धा ए
अऊ ओह तुम्हर संदेसिया घलो ए, जऊन
ला तुमन मोर सेवा-टहल करे बर पठोय
रहेव। 26ओकर मन ह तुमन जम्मो इन
म लगे रहथे अऊ ओह बयाकुल हवय
काबरका तुमन सुने रहेव कि ओह बेमार
रहिसि। 27सही म, ओह बेमार रहिसि, इहां
तक कि ओह मरइया रहिसि। पर परमेसर
ह ओकर ऊपर दया करसि, अऊ सरिपि
ओकर ऊपर ही नइं, पर मोर ऊपर घलो दया
करसि कि मोला दुःख के ऊपर दुःख इन
होवय। 28एकरसेति, मेंह ओला तुम्हर करा

पठोय बर अऊ जादा उत्सुक हवंव, ताकी जब तुमन ओला फेर देखव, त खुस होवव अऊ मोर फकिर घलो कम होवय। 29परभू म, बड़े आनंद सहति, ओकर सुवागत करव, अऊ ओकर सहीं मनखेमन के आदर करव, 30काबरकी मसीह के काम खातरि, अपन जनिगी ला जोखिम म डालके, ओह मरे सहीं हो गे रहिसि, ताकी ओह मोर ओ जरूरत ला पूरा करय, जऊन ला तुमन नई कर सकेव।

मनखे के काम ऊपर भरोसा नई

3 कुछू घलो होवय, हे मोर भाईमन हो, परभू म आनंदति रहव। तुमन ला ओहीच बात फेर लिखि म, मोला कोनो तकलीफ नई होवय अऊ एम तुम्हर भलाई हवय।

2ओ कुरुरमन ले सचेत रहव। एमन ओ मनखे अंय, जऊन मन खराप काम करथें अऊ देहें के अंगमन ला काट-छांट करथें। 3काबरकी खतना वाले मनखे तो सरिपि हमन अन, जऊन मन परमेसर के अराधना पबतिर आतमा के दुवारा करथन अऊ मसीह यीसू म महिमा करथन अऊ देहें के ऊपर भरोसा नई करन- 4हालाकि मोर करा अइसने भरोसा करे के कारन हवय। कहूं कोनो ए सोचथे की ओकर करा देहें के ऊपर भरोसा करे के कारन हवय, त मोर करा जादा कारन हवय: 5जनम के आठवां दिन म मोर खतना होईस। मेंह इसरायल के बंस अऊ बनि्यामीन के गोत्र के अंव। मेंह इबरानीमन के इबरानी अंव। मूसा के कानून के मुताबकि मेंह एक फरीसी अंव। 6यदी तुमन जोस के बारे कहथिव, त मेंह कलीसिया के एक सतानेवाला रहेव। मूसा के कानून के धरमीपन के बारे यदि तुमन कहथिव, त मेंह नरिदोस अंव। 7पर जऊन कुछू घलो मोर फायदा के रहिसि, मेंह अब ओला मसीह के हति म हाना समझथंव। 8वास्तव म, मसीह यीसू, मोर परभू ला जाने के महानता के तुलना म, मेंह हर एक बात ला एक हाना समझथंव। मसीह यीसू, मोर परभू के हति म, मेंह जम्मो बात के हाना उठाय हवंव अऊ मेंह ओ बातमन ला कचरा

समझथंव, ताकी मेंह मसीह ला पा जावंव, 9अऊ ओकर संग एक हो जावंव अऊ एह मोर खुद के धरमीपन ले नई, जऊन ह की मूसा के कानून ला पालन करे ले आथे, पर एह मसीह म बसिवास के जरयि—ओ धरमीपन ले अय, जऊन ह परमेसर करा ले आथे अऊ एह बसिवास के दुवारा अय। 10मेंह मसीह ला अऊ ओकर फेर जी उठे के सामरथ ला जाने चाहथंव अऊ मेंह ओकर दुःख-पीरा म भागी होय चाहथंव अऊ मेंह ओकर मरितू म ओकर सहीं बने चाहथंव, 11ताकी कोनो घलो किसिम ले, मेंह घलो मरे मन ले जी उठव।

नसिाना कोता बढ़ई

12मेंह ए नई कहंव, की ए जम्मो ला पहिले ही पा चुके हवंव या मेंह सिद्धि हो चुके हवंव, पर मेंह ओला पाय बर आघू बढ़त हवंव, जेकर खातरि मसीह यीसू ह मोला अपन बनाय हवय। 13हे भाईमन हो, मेंह ए नई सोचत हंव की मेंह एला पा चुके हवंव। पर मेंह एक काम करथंव: पाछू के बातमन ला भुला के, मेंह आघू के चीज ला पाय बर बढ़त जावत हंव। 14नसिाना के तरफ मेंह दऊड़े चले जावत हंव, ताकी ओ इनाम ला जीतंव, जेकर खातरि परमेसर ह मोला मसीह यीसू म ऊपर स्वरग म बलाय हवय।

15हमन म जतेक ज्ञान आतमिक रूप ले समझदार हवन, एहीच बचिार रखना चाही। अऊ कहूं कोनो बात म तुम्हर अलग बचिार हवय, त ओ बात ला घलो, परमेसर ह तुम्हर बर साफ कर दही। 16जऊन ला हमन पा चुके हवन, आवव, हमन सरिपि ओकरे मुताबकि जनिगी बतावन।

17हे भाईमन हो, आने मन के संग मलिके मोर नकल करव, अऊ ओमन ऊपर ध्यान देवव, जऊन मन ओ नमूना के मुताबकि जनिगी बतावत हवंव, जऊन ला हमन तुमन ला देय हवन। 18काबरकी, जइसने मेंह तुमन ला पहिली अक्सर कहे हवंव अऊ अब फेर मेंह रो-रो के कहथंव की कतको ज्ञान मसीह के कुरस के बईरी सहीं जनिगी जीयथें।

19ओमन के अंत ह बनिास अय। ओमन के ईसवर ह ओमन के पेट अय, अऊ ओमन अपन कलंक के काम म घमंड करथें। ओमन के मन ह संसारकि बात म लगे रहथि। 20पर हमर देस ह स्वरग अय। अऊ हमन उत्साह के संग उहां ले एक उद्धार करइया याने परभू यीसू मसीह के बाट जोहथन, 21जऊन ह सामरथ के दुवारा हमर नासमान देहें ला बदल दीही अऊ ओमन ओकर महिमामय देहें सही हो जाहीं। अऊ एह ओहीच सामरथ ए, जेकर दुवारा, ओह हर एक चीज ला अपन अधीन कर लेथे।

4 एकरसेती, हे मोर भाईमन हो! तुमन ले मेंह मया करथंव अऊ तुमन म मोर जी लगे रहथि। तुमन मोर आनंद अऊ मोर मुकुट अव। हे मयारू संगवारीमन, अइसनेच तुमन परभू के बसिवास म मजबूत बने रहव।

उत्साह के बचन

2मेंह यूओदयिया ले बनिती करथंव अऊ सुनतुखे ले घलो बनिती करथंव की तुमन परभू म एक-दूसर के संग एक मन होके रहव। 3अऊ हे सच्चा सहकरमी, मेंह तोर ले घलो कहथंव की तेंह ए माईलोगनमन के मदद कर, काबरकी एमन मोर संग सुघर संदेस ला फइलाय म, क्लेमैंस अऊ मोर ओ जम्मो सहकरमीमन संग महिनत करे हवय, जेमन के नांव जनिगी के कतिाब म लिखि हवयb।

4परभू म सदा आनंदति रहव। मेंह एला फेर कहथंव: आनंदति रहव। 5जम्मो झन जान जावय की तुमन नम्र मनखे अव। परभू ह लकठा म हवय। 6कोनो बात के फकिर झन करव, पर हर एक बात म, पराथना अऊ नबिदन के दुवारा, धनबाद के संग तुमन अपन बनिती ला परमेसर के आघू म रखव। 7तब परमेसर के सांती, जऊन ह मनखे के समझ के बाहिर अय, तुम्हर हरिदय अऊ मन के रखवारी मसीह यीसू म करही।

8आखरि म, हे भाईमन हो, जऊन बात ह सच ए, जऊन बात ह आदर के लइक ए, जऊन बात ह सही ए, जऊन बात ह नरिमल

ए, जऊन बात ह मयारू ए, जऊन बात ह मन ला भाथे—यदी कोनो बात ह उत्तम या परसंसा के लइक ए, त अइसने बात के बारे म सोचव। 9जऊन बात तुमन मोर ले सखि हवव या मोर ले पाय हवव या मोर ले सुने हवव या मोर म देखे हवव, ओकरेच मुताबिकि चलव। अऊ सांती के परमेसर ह तुमन के संग रहही।

दान के खातिर धनबाद

10मेंह परभू म बहुत आनंदति हवव की आखरि म, तुमन फेर एक बार मोर फकिर करे हवव। वास्तव म, तुमन मोर फकिर करत तो रहेव, पर एला परगट करे के तुमन ला मऊका नई मलित रहिस। 11मेंह ए बात एकरसेती नई कहथंव की मोला कोनो चीज के घटी हवय, काबरकी कोनो घलो दसा म मेंह संतोस रहना सीख ले हवव। 12मेंह जानथंव की घटी म रहे के मतलब का होथे। मेंह ए घलो जानथंव की बेसी (जादा) म रहे के का मतलब होथे। मेंह कोनो भी दसा म संतोस रहे के भेद ला सीख गे हवव; चाहे मेंह भरपेट खावंव या भूखा रहंव, चाहे मोर करा बहुत रहय या मेंह घटी म रहंव। 13जऊन ह मोला ताकत देथे, ओकर जरयि, मेंह हर चीज ला कर सकथंव।

14तभो ले, तुमन बने करेव की मोर तकलीफ म मदद करेव। 15हे फलिप्पी सहर के रहइयामन, जइसने की तुमन जानथव की सुघर संदेस के परचार के सुरूआती दिन म, जब मेंह मकदिनयिया प्रदेश ले चलेंव, त सरिपि तुम्हर छोड़ अऊ कोनो घलो कलीसिया देय अऊ लेय के मामला म मोर मदद नई करसि। 16अऊ त अऊ जब मेंह थसिसलुनिके सहर म रहेंव अऊ मोला घटी रहिस, त तुमन बार-बार मोर करा मदद पठोय रहेव। 17अइसने बात नो हय की मेंह दान चाहथंव, पर मेंह चाहथंव की तुमन अइसने काम करव, जऊन ह तुम्हर जानिगी के खाता म जोड़े जावय। 18मेंह जम्मो चीज ला पा गे हवव, बल्की मोला जरूरत ले जादा मलि गे हवय। तुमन इफ्रुदीतुस के हांथ

म जऊन चीजमन (भेंट) ला पठोय रहेव, ओला पाके मोर मन ह संतोस हो गे हवय। ओमन एक खुसबूदार भेंट, गरहन करे लइक बलदान अंय, जेकर ले परमेसर ला खुसी होथे। 19अऊ मोर परमेसर ह मसीह यीसू म अपन महिमामय धन के मुताबकि तुम्हर जम्मो जरूरत ला पूरा करही।

20परमेसर, हमर ददा के महमा जुग-जुग होवय। आमीन।

आखरी जोहार

21जम्मो संतमन ला, जऊन मन मसीह यीसू म हवंय, जोहार कहव। जऊन भाईमन मोर संग इहां हवंय, ओमन तुमन ला जोहार कहत हवंय। 22जम्मो संत, खास करके

जऊन मन महाराजा के घराना के अंय, तुमन ला जोहार कहत हवंय।

23परभू यीसू मसीह के अनुग्रह तुम्हर ऊपर बने रहय।

a 19 “मेंह छूट जाहूं” के मतलब “पौलुस के जेल ले छूटना” या “ओकर उद्धार” घलो हो सकथे। b 3 “जनिगी के कतिब” ओ कतिब ए, जऊन म परमेसर ह ओ सच्चा बसिवासीमन के लेखा-जोखा रखथे, जऊन मन ओकर संग सदाकाल बर रहहीं।